अनुक्रमणिका

		पृष्ठ क्र.
अध्याय - 1		
निराला की जीवनी तथा साहित्य		1- 31
1·1	निराला की जीवनी	1 - 16
1·1·1	जन्म और माता-पिता	1
1·1·2	शिक्षा	2
1·1·3	विवाह और निरालाजी के कवि जीवन में पत्नी का योगदान	3
1·1·4	कलकत्ता के मतवाला का जीवन	5
1·1·5	स्वामी विवेकानन्द का प्रभाव	7
1·1·6	पुत्री सरोज की मृत्यु का निरालाजी के कवि जीवन पर प्रभाव	8
1·1·7	सामाजिक मूल्यों के आख्याता	9
1·1·8	क्रांतिकारी और विद्रोही	9
1·1·9	राजनीति और निरालाजी	10
1·1·10	निरालाजी का पौरूष	12
1·1·11	जीवन के अंतिम दिन	13
1·1·12	निरालाजी का देहावसान	13

1·2	निराला का साहित्य	14-29
1·2·1	निराला का काव्य साहित्य	16
1·2·2	निराला का कहानी साहित्य	23
1·2·3	निराला का उपन्यास साहित्य	25
1·2·4	निराला का रेखाचित्र साहित्य	26
1·2·5	निराला का निबंध साहित्य	27
1·2·6	निराला का आलोचना और अनुवाद साहित्य	28

अध्याय - 2

साहित्य तथा राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना 32-64

2·1	राष्ट्रीयता का स्वरूप	32-40
2·1·1	राष्ट्र शब्द और राष्ट्र की परिभाषा	32
2·1·2	राष्ट्रीयता का स्वरूप या राष्ट्रीय चेतना	33
2·1·3	राष्ट्रीय कविता	34
2·1·4	भारतीय साहित्य में राष्ट्रीय चेतना का विकास	35
2·1·4·अ	पुरातन युग	35
2·1·4·आ	मध्य युग	37
2·1·4·इ	आधुनिक युग	39
2·2	निराला के साहित्य में राष्ट्रीय चेतना	41-46
2·2·1	देश की तत्कालीन सामाजिक एव आर्थिक दुर्दशापर मानसिक क्षोभ	42
2·2·2	नारी की महानता और पवित्रता का चित्रण	43
2·2·3	अतीत के सांस्कृतिक वैभव का गौरव-गान	44

2·2·4	सुखी स्वाधीन समाज का मधुर चित्र	45
2·2·5	राष्ट्र भाषा हिंदी के प्रति अगाध निष्ठा	45
2·3	**संस्कृति का स्वरूप**	47-54
2·3·1	संस्कृति अर्थ और परिभाषा	47
2·3·2	संस्कृति और साहित्य	48
2·3·3	भारतीय संस्कृति का क्रमिक विकास	49
2·3·3·क	सिन्धु घाटी की संस्कृति	49
2·3·3·ख	वैदिक हिंदू संस्कृति	50
2·3·3·ग	जैन और बौध्द धर्म प्रणीत संस्कृति	50
2·3·3·घ	इस्लामी संस्कृति	52
2·3·3·ङ	पश्चिमी युरोपीय संस्कृति	52
2·3·3·च	स्वातंत्र्योत्तर भारतीय संस्कृति	53
2·4	**निराला के साहित्य में सांस्कृतिक चेतना**	55-60
2·4·1	अतीत कालीन संस्कृति का वर्णन	56
2·4·2	वर्तमान संस्कृति का ह्रास	57
2·4·3	व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक जीवन का वर्णन	57
2·4·4	आध्यात्मिकता और दर्शन	58
2·4·5	मानवता	59
अध्याय - 3		
निराला की 'अपरा' में राष्ट्रीय चेतना		65-94
3·1	**भारत की महिमा का वर्णन**	67-69
3·2	**अतीत का गौरव गान**	69-72

3·3	देश की दुर्दशा	72-74
3·4	देश की तत्कालीन आर्थिक दुर्दशा	75-76
3·5	नारी चित्रण	76-80
3·6	तत्कालीन सामाजिक वर्णन	80-81
3·7	शोषित वर्ग की दुरावस्था का वर्णन	81-84
3·8	क्रांति की प्रेरणा	84-88
3·9	सुखी समाज का चित्र तैयार करना	88-91

अध्याय - 4

निराला की 'अपरा' में सांस्कृतिक चेतना		95-128
4·1	भौतिक आवश्यकताओं का वर्णन	97-103
4·1·1	भोजन	98
4·1·2	वस्त्र	100
4·1·3	आवास	101
4·1·4	आभूषण	101
4·1·5	मनोरंजन	102
4·1·6	शस्त्रास्त्र	102
4·2	अतीत संस्कृति का वर्णन	103-107
4·3	वर्तमान संस्कृति की दुर्दशा	107-108

4·4	व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक जीवन का वर्णन	108-114
4·4·1	व्यक्तिगत जीवन	108
4·4·2	पारिवारिक जीवन	110
4·4·3	सामाजिक जीवन	111
4·4·4	सामाजिक शिष्टाचार एवं आदर्श व्यवहार	113
4·4·4· क)	प्रातःकालीन सूर्य की प्रार्थना	113
4·4·4· ख)	संध्या कालीन प्रार्थना	113
4·4·4· ग)	चरण स्पर्श करना	114
4·4·4· घ)	गोद में बिठाना	114
4·4·4· ड)	यथा स्थान बैठना	114
4·4·4· च)	नमस्कार और आशीर्वाद	114
4·5	आध्यात्मिकता	115-116
4·6	दार्शनिकता	117-121
4·6·1	ब्रह्म	117
4·6·2	ब्रह्म और आत्मा	118
4·6·3	माया	119
4·6·4	संसार	120
4·7	मानवता	121-123
अध्याय - 5		
उपसंहार		129-142
सहायक ग्रंथ सूचि		143-144